कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (19) खण्ड -{37}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- परिवर्तन के आधारमूर्त कौन है ?

A- ब्रह्मा

B- देवता

C- पाण्डव

D- ब्राह्मण

प्रश्न 2- योगी जीवन में किसका वर्णन नहीं करना है ?

A- कैसे करेंगें

B- प्रश्नों का

C- कर्मभोग का

D- हेल्थ कॉन्शियस

प्रश्न 3- सच्चे साहिब की सबसे बड़ी विशेषता क्या है ?

A- दाता, विधाता

B- दाता, जीवनदाता

C- वरदाता, मुक्तिदाता

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 4- अन्त में कोई भी हालात में कल्याण क्यों होना ही है ?

A- क्योंकि बाप हमारे साथ है।

B- क्योंकि बाप सब कुछ ठीक कर देंगे।

C- क्योकि स्वयं भगवान हमारा साथी है।

D- क्योंकि बाप कल्याणकारी है।

प्रश्न 5- वैराग्य ऐसी योग्य धरनी है जिसमें क्या डालें कि वह फ़लीभूत अवश्य होगी ?

A- बीज

B- फल

C- तना

D- झाड़

प्रश्न 6- एक घड़ी आधी घड़ी, क्या अवश्य करना है ?

A- पुरुषार्थ

B- योग

C- पढ़ाई

D- मन्थन

प्रश्न 7- शिवबाबा ने ब्रह्माबाबा का क्या नाम रखा है ?

A- दादा

B- महावीर

C- अर्जुन

D- बाबा

प्रश्न 8- बन्दर किसे कहा जाता है ?

A- रावण को

B- माया को

C- विकारों को

D- मोह को

प्रश्न 9- पढ़ाई हमेशा.........में ही पढ़ी जाती है ?

A- बचपन

B- छोटेपन

C- ब्रह्मचर्य

D- पाठशाला

प्रश्न 10-ज्ञान कितने समय का है ?

A- 5000 वर्ष का

B- 100 वर्ष का

C- 21 जन्म का

D- सेकण्ड का

प्रश्न 11 - अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं। सूर्य की पूजा करते हैं, झण्डा भी सूर्य का है। तुम्हारा है .... का झण्डा?

A- शिव बाबा

B- ज्ञान सूर्य

C- ज्ञान चन्द्रमा

D- त्रिमूर्ति

प्रश्न 12-सन्यासी निवृति मार्ग वाले क्या कहते हैं ?

A- कि परमात्मा बिन्दी स्वरूप है।

B- कि परमात्मा का धाम लाल प्रकाश की दुनिया है।

C- कि परमात्मा और आत्मा दोनों एक

जैसे है।

D- कि परमात्मा ब्रह्म है

प्रश्न 13- सबसे बड़ी प्रवृति किसकी है ?

A- ब्रह्मा की

B- ब्राह्मणों की

C- शिवबाबा की

D- उपरोक्त सभी की

प्रश्न 14- मुख्य धर्म कितने है ?

A- 3

B- 4

C- 5

D- 6

प्रश्न 15- ईश्वरीय पढ़ाई का लॉ (कायदा) कौन सा है ?

A- अमृतवेला करना

B- नियमित पढ़ना

C- नुमाशाम करना

D- ट्रैफिक कंट्रोल करना

प्रश्न 16- तुम्हारी बुद्धि में कौन सा ज्ञान है ?

A- आदि- मध्य- अन्त का

B- क्रिएटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर का

C- स्थापना, पालना, विनाश का

D- A और B

E- A,,B और C

भाग (19) खण्ड {37} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- D- ब्राह्मण

विश्व के विनाश अर्थात् परिवर्तन के पहले ब्राह्मणों की कमियों का विनाश चाहिए। अगर ब्राह्मणों की कमियों का विनाश नहीं हुआ तो विश्व का विनाश अर्थात् परिवर्तन कैसे होगा। तो *परिवर्तन के आधारमूर्त आप ब्राह्मण हैं।*

उत्तर 2- C- कर्मभोग का

सदा यह बात याद रखो - *योगी जीवन के लिए चाहे छोटा कर्मभोग हो, चाहे बड़ा हो लेकिन उसका वर्णन नहीं करो,* कर्म-भोग की कहानी का विस्तार नहीं करो क्योंकि वर्णन करने में समय और शक्ति उसी तरफ होने के कारण हेल्थ कानशियस हो जाते हैं, सोल कानशियस नहीं। यह हेल्थ कानशियसनेस रूहानी शक्ति से धीरे-धीरे नरवस बना

देती है, इसलिए कभी भी ज्यादा वर्णन नहीं करो। योगी जीवन कर्मभोग को कर्मयोग में परिवर्तन करने वाला है। यह हैं तन के भाग्य की निशानियां।

उत्तर 3- A- दाता, विधाता

सच्चे साहेब की सबसे बड़ी विशेषता है - वह दाता, विधाता, वरदाता है। राज़ी रहने वाले बच्चों की निशानी-सदा दाता राज़ी है, इसलिए ऐसी आत्मायें सदा अपने को ज्ञान के खजाने, शक्तियों के खजाने, गुणों के खजाने, सब खजानों से भरपूर अनुभव करेंगी, कभी भी अपने को खजानों से खाली नहीं समझेंगी।

उत्तर 4- D- क्योंकि बाप कल्याणकारी है।

सारा मदार इस पर है, इनसे कोई नुकसान नहीं होगा। यह कहते हैं ऐसे करो तो कर देना चाहिए। तो नुकसान से भी फायदा निकल आयेगा। नुकसान की कोई बात नहीं। हर बात में कल्याण ही कल्याण है। अकल्याण भी ड्रामा में था। भूलें तो सबसे होती रहेंगी। *परन्तु अन्त में कल्याण तो कोई भी

हालत में होना है क्योंकि बाप है कल्याणकारी।* सबका कल्याण करना है। सबको सद्गति दे देते हैं।

उत्तर 5- B - फल

वैराग्य ऐसी योग्य धरनी है जिसमें जो भी *फल* डालेंगे वह फलीभूत अवश्य होगा।

उत्तर 6- C - पढ़ाई

तुम सब हो कर्मयोगी। अपने घर को भी सम्भालो। क्लास में एक घण्टा पढ़ना है। फिर घर में जाकर रिवाइज़ करना है। स्कूल में भी ऐसे करते हैं ना। पढ़कर फिर घर में जाकर रिवाइज़ करते हैं। बाप कहते हैं *एक घड़ी आधी घड़ी.. दिन में 8 घड़ी होती हैं।* उनमें भी बाप कहते हैं एक घड़ी, अच्छा आधी घड़ी, 15-20 मिनट भी क्लास में पढ़कर धारणा कर फिर धन्धेधोरी में चक्र लगाओ।......*एक घड़ी आधी घड़ी, पढ़ाई अवश्य पढ़नी है।* ज्ञान और योग में रेस करनी है।

उत्तर 7- C - अर्जुन

शिवबाबा कहते हैं - हम जब बच्चों को सुनाते थे तो यह भी सुनते थे। *इनके तन में मैं प्रवेश कर आया हूँ, इसलिए इनका नाम रखा है अर्जुन।* शास्त्रों में घोड़े का रथ दिखाते हैं। कितना फ़र्क है। घोड़े गाड़ी में एक को बैठ ज्ञान दिया क्या? अभी तुम समझते हो यह कैसे हो सकता है। तुम प्रैक्टिकल देख रहे हो - बाबा कैसे पढ़ाते हैं।

उत्तर 8- C - विकारों को

फिर कहते हम निर्गुण हारे में कोई गुण नाही। अब तुम बच्चों को गुण धारण करने हैं, अवगुणों को निकाल दो। रावण ने तुमको बन्दर मिसल बना दिया है। अब बाप तुमको देवता बनाते हैं। *जिसमें 5 विकार हैं उनको बन्दर कहा जाता है।* (नारद का मिसाल) अभी तुम्हारी सीरत बदलती जाती है फिर हम देवता बन जायेंगे।

उत्तर 9- C - ब्रह्मचर्य

हम बच्चे शिवबाबा द्वारा कल्प पहले मिसल फिर से पवित्रता, सुख-शान्ति और सम्पत्ति का राज्य ले रहे हैं। *पढ़ाई हमेशा ब्रह्मचर्य में ही पढ़ी जाती है।* अभी तो कोई-कोई शादी के बाद भी कोर्स उठा लेते हैं क्योंकि आमदनी जास्ती हो जाती है। यहाँ तुम्हारी आमदनी अनगिनत है।

उत्तर 10- D - सेकण्ड का

शरीर छूट जाता है। परन्तु ऐसे नहीं शिवबाबा से जाकर मिले। नहीं, सिर्फ पिछला पापों का हिसाब चुक्तू हो फिर नयेसिर शुरू हो जाता है। बीच से कोई वापिस जा नहीं सकता। *भल ज्ञान सेकेण्ड का है* परन्तु पढ़ाई तो पढ़नी है।

उत्तर 11- D - त्रिमूर्ति का

ज्ञान सूर्य नाम सुनकर समझते हैं कि शायद वह सूर्य ज्ञान स्वरूप है क्योंकि समझते हैं पत्थर-भित्तर में भगवान है तो सूर्य को बहुत मानते हैं। *अपने को सूर्यवंशी कहलाते हैं।

सूर्य की पूजा करते हैं, झण्डा भी सूर्य का है। तुम्हारा है त्रिमूर्ति का झण्डा।* कितना वन्डरफुल है।

उत्तर 12- D - कि परमात्मा ब्रह्म है।

आत्मा भी बिन्दी रूप है, परमात्मा का भी बिन्दी रूप है। गृहस्थी लोग ही गाते हैं त्वमेव माताश्च पिता.. *संन्यासी निवृत्ति मार्ग वाले कह देते परमात्मा ब्रह्म है।* वह त्वमेव माताश्च पिता नहीं कहेंगे। उनका मार्ग अलग है।

उत्तर 13- C - शिवबाबा की

शिवबाबा की सबसे बड़ी प्रवृत्ति है। भक्ति में सब त्वमेव माताश्च पिता कहकर पुकारते हैं तो प्रवृत्ति वाला हुआ ना। परन्तु जब तक वह साकार में न आये तब तक उनकी कोई प्रवृत्ति नहीं क्योंकि ऊपर में तो आत्मायें बाप के साथ निराकारी रूप में रहती हैं। जब साकार में आकर इनमें प्रवेश करते हैं तो सबसे बड़ी प्रवृत्ति है।

उत्तर 14- B - 4

बाबा ने समझाया है *मुख्य धर्म हैं 4,* जो धर्म स्थापन करते हैं, उनका जो शास्त्र है, उनको कहा जाता है धर्म शास्त्र। तो मुख्य हैं 4 धर्म। बाकी सब हैं छोटे-छोटे धर्म जो वृद्धि को पाते रहेंगे।

उत्तर 15- B - नियमित पढ़ना

इस ईश्वरीय पढ़ाई का लॉ है - नियमित पढ़ना। कभी पढ़ना, कभी न पढ़ना यह लॉ नहीं है। बाबा ने पढ़ाई के लिए बहुत प्रबन्ध दिये हैं। पढ़ाई (मुरली) यहाँ से पोस्ट में जाती है। 7 दिन का कोर्स लेकर कहाँ भी पढ़ सकते हो। पढ़ाई कभी मिस नहीं करनी है।

उत्तर 16- B - क्रिएटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर

तुम अभी क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर्स ड्रामा के आदि मध्य अन्त को जानते हो, और कोई नहीं जानते। तुम्हारी अब स्वच्छ बुद्धि बनी है।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (19) खण्ड -{38}

प्रश्न 1 - सबसे जास्ती दूर लाइट कौन सी जाती है ?

A- लाइट हाउस

B- रिवाजी बल्ब

C- सर्चलाइट

D- A और C

प्रश्न 2 - पावरफुल बनने के लिए अब एडीशन क्या करेंगे ?

A- सफलता की माला

B- विल पावर

C- वाइड पावर

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 3- संगम समय के चार मूर्त में से इनमें से एक कौन नहीं है ?

A- ज्ञान मूर्त

B- धारणा मूर्त

C- दान मूर्त

D- सम्पूर्ण सफलता मूर्त

प्रश्न 4 - अगर .... शब्द से प्यार है तो अनेक मेरे को एक मेरे बाबा में समा दो। उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करो ?

A- मैं

B- बाबा

C- मेरा

D- क्या,क्यों

प्रश्न 5- पुरुषार्थ का मुख्य आधार है?

A- अमृतवेला

B- स्वरूप बनना

C- कैचिंग पॉवर

D- दिनचर्या

प्रश्न 6- ब्राह्मण जीवन का श्वांस क्या है ?

A- खुशी

B- सुख

C- शान्ति

D- पवित्रता

प्रश्न 7- शिवबाबा की कौनसी सेना है ?

A- शिव शक्ति सेना

B- पाण्डव सेना

C- रूहानी सेना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 8- शिवबाबा हमको क्या बनाते है ?

A- खुदाई खिदमतगार

B- राजाओं का भी राजा

C- गॉडली स्टूडेंट

D- डबल अहिंसक

प्रश्न 9- विकर्म संवत किसने स्थापन किया ?

A- विक्रमादित्य ने

B- रावण ने

C- बाबा

D- माया ने

प्रश्न 10- बाबा ज्ञान समझा कर कहाँ चले जाते है ?

A- सूक्ष्म लोक

B- सतयुग

C- निर्वाणधाम

D- मधुबन

प्रश्न 11- भक्ति मार्ग में भगवान के कितने नाम हैं ?

A- 33 करोड़

B- 2 करोड़

C- 9 लाख

D- 1.5 लाख

प्रश्न 12- भगवान हमको पढ़ाकर क्या बनाते है ?

A- नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी

B- भगवान- भगवती

C- मनुष्य से दैवी- देवता

D- पारसबुद्धि

प्रश्न 13- तुम डबल आस्तिक कैसे हो ?

A- क्योंकि तुम बाप को जानते हो।

B- क्योंकि तुम रूहानी सोशल वर्कर हो।

C- क्योंकि तुम बाप का सत्य परिचय जानते हो।

D- क्योकि तुम आदि- मध्य- अन्त को जानते हो।

प्रश्न 14- तुम किसलिए पढ़ रहे हो ?

A- नर से नारायण बनने के लिए

B- सम्पूर्ण बनने के लिए

C- स्वर्ग के वर्से के लिए

D- स्वर्गवासी बनने के लिए

प्रश्न 15- बाप द्वारा बच्चों को कौनसा वर्सा मिलता है ?

A- सुख

B शान्ति

C सम्पत्ति

D उपरोक्त सभी

प्रश्न 16-वर्सा कब नहीं ले सकते ?

A- जब तक पूरा पुरुषार्थ नहीं किया हो

B- जब तक विकारों के वश हो

C- जब तक ब्राह्मण- ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगें

D- जब तक देहधारियों को याद करेंगे

भाग (19) खण्ड {38} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - D(A और C)

सबसे जास्ती दूर लाइट कौन सी जाती है? *लाइट हाउस की। तो अब लाइट हाउस, सर्च लाइट बनना है।* रिवाजी बल्ब नहीं। सर्चलाइट वह बन सकेंगे जो स्वयं को सर्च कर सकते हैं। जितना स्वयं को सर्च कर सकेंगे उतना ही सर्चलाइट बनेंगे। अगर स्वयं को सर्च नहीं कर सकते तो सर्चलाइट भी नहीं बन सकेंगे।

उत्तर 2 D - (B और C)

अभी पावरफुल भी नहीं लेकिन विलपावर वाला बनना है। विलपावर और वाइडपावर अर्थात् बेहद की तरफ दृष्टि वृत्ति। तो अब एडिशन क्या करेंगे? *पावर तो है लेकिन अब विलपावर और वाइडपावर चाहिए।* आज बापदादा किस रूप से देख रहे हैं?

उत्तर 3 B - धारणा मूर्त

आप सभी अपने चारों मूर्त को जानते हो? आज बापदादा हरेक के अभी संगम समय की (न कि भविष्य की) ही चार मूर्त एक-एक में देख रहे हैं। वह चार मूर्त कौन सी है? अपनी मूर्त को जानते हो?......चार मूर्त कौन सी देख रहे हैं। यह भी सम्पूर्ण बनने का लक्ष्य है। एक तो देख रहे हैं - *1. ज्ञान मूर्त, 2. गुण मूर्त, 3. दान मूर्त और 4. सम्पूर्ण सफलता मूर्त।*

उत्तर 4 C - मेरा

अगर *मेरा* शब्द से प्यार है तो अनेक मेरे को एक मेरे बाबा में समा दो।

उत्तर 5- C- कैचिंग पॉवर

पुरुषार्थ का मुख्य आधार कैचिंग पावर है। जैसे साइंसदान बहुत पहले के साउण्ड को कैच करते हैं ऐसे आप साइलेन्स की शक्ति से अपने आदि दैवी संस्कार कैच करो,

इसके लिए सदैव यही स्मृति रहे कि मैं यही था और फिर बन रहा हूँ। जितना उन संस्कारों को कैच करेंगे उतना उसका स्वरूप बनेंगे। 5 हजार वर्ष की बात इतनी स्पष्ट अनुभव में आये जैसे कल की बात है। अपनी स्मृति को इतना श्रेष्ठ और स्पष्ट बनाओ तब शक्तिशाली बनेंगे।

उत्तर 6- A- खुशी

बापदादा समझते हैं कि *ब्राह्मण जीवन का श्वास खुशी है।* खुशी नहीं तो ब्राह्मण जीवन नहीं और अविनाशी खुशी, कभी-कभी वाली नहीं, परसेन्टेज़ वाली नहीं। खुशी तो खुशी है। आज 50 परसेन्ट खुशी है, कल 100 परसेन्ट है, तो जीवन का श्वास नीचे ऊपर है ना! बापदादा ने पहले भी कहा है कि शरीर चला जाए लेकिन खुशी नहीं जाए। तो यह पाठ सदा पक्का है या थोड़ा-थोड़ा कच्चा है? सदा अण्डरलाइन है? कभी-कभी वाले क्या होंगे? सदा खुशी में रहने वाले पास विद् ऑनर और कभी-कभी खुशी में रहने वालों को धर्मराजपुरी पास करनी पड़ेगी।

उत्तर 7- C- रूहानी सेना

आजकल कन्याओं, माताओं की पलटन बनाए उन्हों को बन्दूक आदि चलाना सिखाते हैं। यहाँ तुम्हारे हाथ में बन्दूक आदि कुछ नहीं है। उनको क्या मालूम तो शिव शक्ति सेना कौन है? शिवबाबा तो कभी हिंसा करा नहीं सकते। लड़ाई की कोई बात ही नहीं। तुम जानते हो कि *शिवबाबा की रूहानी सेना है।*

उत्तर 8- D- डबल अहिंसक

शिवबाबा हमको डबल अहिंसक बनाते हैं। उनको कहा जाता है 100 परसेन्ट नान-वायोलेन्स। यहाँ है 100 परसेन्ट वायोलेन्स (हिंसा)। एक ही बाम्ब्स से कितनों का विनाश कर देते हैं। बेहद के नान-वायोलेन्स और वायोलेन्स में कितना फ़र्क है। तुम अभी इस समय बेहद की साइलेन्स में हो।

उत्तर 9- B - रावण ने

विक्रम संवत जो कहते हैं, हो सकता है जब से देवतायें वाम मार्ग में जाते हैं तो अपने को हिन्दू कहलाना शुरू करते हों, तब से विक्रम संवत भी कहते हो। तो आधा-आधा हो गया। उस समय उनको आदि सनातन देवी-देवता नहीं कहेंगे। संवत कहा जाता है जब धर्म स्थापन होता है। वह किसने स्थापन किया? *विकर्म संवत तो रावण ने स्थापन किया।*

उत्तर 10- C - निर्वाणधाम

बाप कहते हैं - हम कोई कमाई नहीं करते। हम तो तुमको सिखलाकर अपने घर ले जाते हैं। तुम कमाई करते हो तो गँवाते भी हो। तुमको सारा आदि मध्य अन्त का ज्ञान है। *बाबा को भी ज्ञान है, जो बैठकर समझाते हैं पार्ट अनुसार। फिर बाबा भी चले जाते हैं निर्वाणधाम।* सभी आत्मायें भी चली जायेंगी। वहाँ फिर जिन-जिन का पार्ट होगा वह फिर राजधानी में आते जायेंगे। बाकी टाइम शान्तिधाम में रहेंगे।

उत्तर 11- D - 1.5 लाख

परमात्मा ज्ञान का सागर है। परमपिता परमात्मा ब्रह्मा द्वारा स्थापना करते हैं। आदि मध्य अन्त की नॉलेज देते हैं। उनका नाम है शिव। *भक्ति मार्ग में उनके ढेर नाम रख दिये हैं। कम से कम डेढ़ लाख अपनी-अपनी भाषा में उनके नाम रखते हैं।*

उत्तर 12- B - भगवान- भगवती

भगवान हमको पढ़ाकर भगवती भगवान बनाते हैं - इसी खुशी वा नशे में रहना है। रचता और रचना का ज्ञान बुद्धि में रख दूसरों को सुनाना है।

उत्तर 13- D - क्योकि तुम आदि- मध्य- अन्त को जानते हो।

लक्ष्मी-नारायण को ही भगवती-भगवान कहा जाता है। फिर त्रेता में राम का राज्य था। उन्हों को यह राज्य कैसे मिला, फिर वह राज्य कहाँ गया, यह कोई नहीं जानते अर्थात् रचना के आदि-मध्य-अन्त को कोई जानता नहीं। .....*अभी

सारे सृष्टि के आदि मध्य अन्त को तुम जानते हो, तो तुम डबल आस्तिक ठहरे।*

उत्तर 14- D - स्वर्गवासी बनने के लिए

कहते हैं ना - राम गयो, रावण गयो...सिर्फ थोड़े रह जाते हैं जो फिर अदली-बदली होते रहते हैं। फिर तुम आयेंगे स्वर्ग में। तुम्हारे लिए अब नई दुनिया स्थापन हो रही है, *तुम स्वर्गवासी बनने के लिए पढ़ रहे हो।* यह नर्क है। अब तुम हो संगम पर।

उत्तर 15- D - उपरोक्त सभी

बाप द्वारा बच्चों को सुख-शान्ति-सम्पत्ति का वर्सा मिलता है, जो कहीं भी नहीं मिल सकता है। मनुष्य शान्ति के लिए जंगल में जाते हैं, परन्तु तुम जानते हो शान्ति तो हम आत्माओं का स्वधर्म है।.....बाप कहते हैं मैं आकर तुम बच्चों को सुख-शान्ति देता हूँ। अब सुख-शान्ति, सम्पत्ति किसके पास नहीं है। देने वाले को भी कोई जानता नहीं।

उत्तर 16- C - जब तक ब्राह्मण- ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगें

अभी तुम ब्राह्मण ब्राह्मणियाँ नहीं बनेंगे तो वर्सा ले नहीं सकेंगे। वर्सा ब्राह्मणों को मिलता है, जो एक बाप के सिवाए और कोई भी देहधारी को याद नहीं करते हैं। बाकी कुछ न कुछ सुना तो प्रजा में आ जायेंगे।